UNIVERSITY NEWS 18 NOVEMBER 2025

AMAR UJALA

सामाजिक बदलाव में पुरुष और महिला की बराबर जिम्मेदारी

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में समर्थ नारी व समृद्ध भारत पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलीं लविवि की कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करतीं लविवि की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना। अमर उजाला

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में सोमवार से "समर्थ नारी व समृद्ध भारत" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि हर भारतीय परिवार के केंद्र में महिलाएं ही क्यों होती हैं। पुरुषों पर आधारित भारतीयिक भी बनने चाहिए। महिलाएं खुद को कमजोर न समझें और न ही उन्हें कमजोर समझा जाए। सामाजिक बदलाव में पुरुष और महिला की बराबर की जिम्मेदारी है। सभी को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए।

संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. सर्व नारायण झा ने कहा कि सुरक्षा व सुरक्षा का भाव दोनों ही देना जरूरी है। घर सम्मान व आत्मीयता का प्रतीक है। सुझाव दिया कि घरों में ऐसी किताबें रखी जाएं जिनसे बच्चों में आदर्श जीवन-मूल्यों का विकास हो। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. कविता बिसारिया ने कहा कि नारी का सशक्त होना ही भारत के उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है।

भोपाल परिसर की डॉ. अर्चना दुबे ने कहा कि नारी स्वतंत्र भी रहे और सुरक्षित भी। यह संतुलन परिवार और समाज की जिम्मेदारी है। नारी की समरसता मूलरूप से भारतीय संस्कृति की मर्यादा बनाए रखने में है। भोपाल से डॉ. संगीता गुंदेचा ने कहा कि महिलाओं को प्रबुद्ध करने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर नेतृत्व करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के व्याकरण विभाग के डीन प्रो. शिवानी ने कहा कि भारतीय नारी का विचार भारतीय परंपरा की अनमोल धरोहर है। शोभा बाजपेयी ने कहा कि प्राचीन भारत में अरुंधति जैसी स्त्रियां पुरुष ऋषियों के समकक्ष स्थान रखती थीं।

डॉ. रानी दधीच ने कहा कि भारतीय संस्कृति स्त्री को सदैव ज्ञान, धैर्य और परामर्श का स्रोत मानती है। लीना सक्सेना ने कहा कि आज की स्त्री स्वतंत्रता और मंच पर बोलने का अधिकार 150 वर्ष पूर्व की स्त्रियों के कठोर संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लंबे संघर्ष को भी प्रेरक उदाहरण बताया। अधिवक्ता शिखा मिश्रा ने स्त्री अधिकारों, कानूनी जागरूकता और सुरक्षा कानूनों की अनिवार्यता पर बल दिया।

लविवि: छात्रों ने बढ़-चढ़ कर किया रक्तदान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित सुश्रुत क्लीनिक में विधि संकाय की एनएसएस इकाइयों की ओर से सोमवार को एक दिवसीय रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर डॉ. चन्द्र शेखर राय और डॉ. शशि प्रभा जोशी के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में छात्रों, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार सिंह, डॉ. निलेश सिंह ने भी रक्तदान किया। शिविर का संचालन केजीएमयू डॉ. विजय प्रताप, विष्णु गुप्ता और उनकी 14 सदस्यीय टीम ने किया। लैब अटेंडेंट दिनेश गौतम और पवन कुमार ने रक्त संग्रह में सहयोग दिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

बी.कॉम की मौखिक परीक्षा 27 को

लखनऊ। लखनऊ विवि के बी.कॉम पांचवें सेमेस्टर के इंटर्नशिप प्रोजेक्ट रिपोर्ट की मौखिक परीक्षा 27 नवंबर को आयोजित की जाएगी। विभाग की डीन प्रो. अर्चना सिंह ने सोमवार को बताया कि बी.कॉम पांचवें सेमेस्टर के रेग्युलर व सेल्फ फाइनेंस के छात्रों की उक्त परीक्षा दोपहर 12 से एक के बीच होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

घूमर व राजस्थानी लोक गीतों की बिखरी छटा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह का पहला सांस्कृतिक दिवस सोमवार को उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। दोपहर दो से शाम पांच बजे तक चले सांस्कृतिक सत्र में छात्रों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। कौशिक जायसवाल व समूह की गणेश वंदना, दीपिका राज का घूमर नृत्य विशेष रूप से सराहा गया। अनुष्का तिवारी की ओर से प्रस्तुत राजस्थानी लोक गीत और श्रुति व समूह का छठ गीत कार्यक्रम की प्रमुख आकर्षणों में रहा। समारोह का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि प्रो. अरुण चक्रवर्ती, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वी.के. शर्मा और अधिष्ठाता प्रबंधन संकाय ने किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण परंपरा, शैक्षणिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक समृद्धि पर चर्चा की। (माई सिटी रिपोर्टर)

एक राष्ट्र, एक चुनाव है समय की जरूरत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन सभागार में सोमवार को "एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर जनमत संवाद हुआ। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह रहे। मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता रहे। कुलदीप भारत, अभिषेक कौशिक, प्रो. अनूप कुमार भारती और डॉ. सत्यदेव शेव भट्ट के साथ पैनल डिस्कशन हुआ। मुख्य वक्ता ने एक राष्ट्र एक चुनाव की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य अतिथि ने छात्रों को डॉ. अंबेडकर के सपनों का भारत के विषय में बताते हुए एक राष्ट्र एक चुनाव के महत्व पर प्रकाश डाला। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT

परीक्षा फॉर्म भरने का आज अंतिम मौका

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाओं में शामिल होने के लिए जिन अभ्यर्थियों ने परीक्षा फॉर्म नहीं भरा है उनके लिए मंगलवार को अंतिम मौका है। विवि की ओर से अंतिम तिथि बीतने के बाद एक दिन के लिए परीक्षा फॉर्म का पोर्टल खोल दिया गया है। विवि के छात्रों को परीक्षा फॉर्म के लिए कोई शुल्क नहीं देना है। ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरकर सेमेस्टर के शुल्क की रसीद के साथ संबंधित विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष कार्यालय में जमा करना है। इसके बाद विभागाध्यक्षों को 19 नवंबर तक यह भेजना है। जबकि कॉलेजों को शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भेजना है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि यह अंतिम मौका है, दोबारा मौका नहीं दिया जाएगा।

I NEXT

बायोकेमिस्ट्री ऑडिटोरियम की रेनोवेशन से बदल गई रंगत...

पूरे ऑडिटोरियम में साउंड सिस्टम भी लगाए गए

lucknow@inext.co.in

ऑडिटोरियम की बदल गई तस्वीर.

LUCKNOW (17 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के बायोकेमिस्ट्री डिपार्टमेंट के बदहाल ऑडिटोरियम को नया जीवन मिल गया है. रेनोवेशन के बाद यहां की स्थिति बदली नजर आ रही है. इस ऑडिटोरियम में अब 100 सिटिंग चेयर्स के साथ काउच, टेबल, डाइस भी नजर आ रहे हैं. पूरे ऑडिटोरियम में साउंड सिस्टम है, प्रोजेक्टर लगे हुए हैं. स्टूडेंट्स के प्रोजेक्ट्स को बेहतर से दिखाने के लिए स्मार्ट टीवी लगाया गया है. डिपार्टमेंट के हेड प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि इस ऑडिटोरियम के रेनोवेट हो जाने से बच्चों को काफी हेल्प मिलेगी. उनके प्रोग्राम्स के साथ-साथ स्पेशल लेक्चर भी इसी में कंडक्ट कराए जाएंगे. डिपार्टमेंट के वॉशरूम्स भी रेनोवेट करवा दिए गए हैं.

दिव्य कला मेले में आत्मनिर्भरता की कहानी की गूंज

LUCKNOW: एलयू में 15 नवंबर से चल रहे दिव्य कला मेला में इस बार दो खास स्टाल लोगों का ध्यान खींच रहे हैं. इसमें गुजरात की गीताबेन पटेल और छत्तीसगढ़ की कल्पना गोस्वामी, सुनीता साहू समूह अपनी मेहनत, हौसले और आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं. बड़ौदा की गीताबेन पटेल 'जय अंबे गुरुदेव' समूह चलाती हैं. स्वयं दिव्यांग होते हुए भी वे साबुन, लिक्विड क्लीनर और कई घरेलू केमिकल उत्पाद बनाती हैं. वे दिव्यांग बच्चों और बड़ों को मुफ्त में ट्रेनिंग देकर उन्हें घर बैठे रोजगार के साधन देती हैं. गीताबेन का कहना है कि दिव्यांग होना कमजोरी नहीं, काम करने का हौसला होना चाहिए. मैं कर सकती हूं तो हर कोई कर सकता है.

AMRIT VICHAR

वैदिक युग में नहीं था नर-नारी में भेद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करतीं कुलपति, संस्कृत विवि के निदेशक व अन्य।

अमृत विचार : स्त्री सशक्तिकरण और समानता की दृष्टि से वैदिक काल स्वर्ण युग माना जाता है। वैदिक काल में नारी को पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त थी, परंतु मध्यकाल में परिस्थितियां बदल गईं। पारिवारिक पाबंदियों की संवेदनशीलता और दहेज प्रथा के विरुद्ध सामूहिक सुधार की आवश्यकता है। यह कहना है डॉ. अर्चना दुबे का, जो केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल की शिक्षिका हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर में दो दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय राष्ट्रीय सम्मेलन समर्थ नारी समृद्ध भारत का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नारी से नारायणी तक के भारतीय दृष्टिकोण पर विमर्श हुआ। प्रदर्शन कला के माध्यम से नारी की आत्म-जागृति तथा समग्र सशक्तिकरण पर चर्चा की गई। इस अवसर पर कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय की प्रोफेसर शिवानी वी., लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, लखनऊ परिसर के निदेशक प्रो. सर्व नारायण झा, डॉ. कविता बिसारिया, डॉ. संगीता गुंदेचा आदि ने अपने विचार रखे।

■ केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में उत्तर क्षेत्रीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

आर्थिक साक्षरता महिलाओं के लिए जरूरी: कार्यक्रम में उपस्थित शोभा बाजपेयी ने भारतीय परंपरा में स्त्री की परामर्शदात्री बताते हुए कहा कि प्राचीन भारत में अरुंधति जैसी स्त्रियां पुरुष ऋषियों के समकक्ष स्थान रखती थीं। उन्होंने आर्थिक साक्षरता को आधुनिक महिलाओं के लिए अनिवार्य बताते हुए चिपको आंदोलन में महिलाओं की ऐतिहासिक भूमिका का उदाहरण दिया।

रक्तदान को लेकर जागरूकता रैली निकालते छात्र।

लविवि छात्रों ने किया रक्तदान

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय द्वितीय परिसर मे सोमवार को प्रशासनिक ब्लॉक स्थित सुश्रुत क्लिनिक मे रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों मे रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना था। शिविर का नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चन्द्र शेखर राय और डॉ. शशि प्रभा जोशी ने किया, जबकि विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार वर्मा के संरक्षण और उपस्थिति से आयोजन को विशेष ऊर्जा मिली। रक्तदान प्रक्रिया का संचालन किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की टीम ने किया, जिसमे चिकित्सकीय अधिकारी डॉ. विजय प्रताप और विष्णु गुप्ता शामिल रहे। शिविर मे छात्रो ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

DAINIK JAGRAN

हौसले, आत्मनिर्भरता की दिव्य मिसाल

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 15 नवंबर से चल रहे दिव्य कला मेला में इस बार दो खास स्टाल लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इसमें गुजरात की गीताबेन पटेल और छत्तीसगढ़ की कल्पना गोस्वामी, सुनीता साहू समूह अपनी मेहनत, हौसले और आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं।

बड़ौदा की गीताबेन पटेल 'जय अंबे गुरुदेव' समूह चलाती हैं। स्वयं दिव्यांग होते हुए भी वे साबुन, लिक्विड क्लीनर और कई घरेलू केमिकल उत्पाद बनाती हैं। खास बात यह कि वे दिव्यांग बच्चों और बड़ों को मुफ्त में ट्रेनिंग देकर उन्हें घर बैठे रोजगार के साधन देती हैं। गीताबेन का कहना है कि दिव्यांग होना कमजोरी नहीं, काम करने का हौसला होना चाहिए। मैं कर सकती हूं तो हर कोई कर सकता है। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ की कल्पना गोस्वामी और सुनीता साहू का स्टाल हस्तनिर्मित उत्पादों झालर, मालाएं, अचार, मोमबत्तियां और कई घरेलू क्राफ्ट से सजा है। इनके साथ लगभग 20 दिव्यांग महिलाएं काम करती हैं। 2004 से महावीर इंटरकांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन के तहत सुनीता साहू इन महिलाओं को रोजगार से जोड़ रही हैं। सुनीता स्वयं संघर्षों से गुजरी हैं। दूसरों पर निर्भर रहकर पढ़ाई करने वाली सुनीता ने समाज में दिव्यांगों को लेकर बनी धारणाओं को तोड़ने का संकल्प लिया और आज एक पूरी टीम की प्रेरणा बनी हुई हैं। दिव्य कला मेला इन दोनों प्रयासों को एक ऐसा मंच दे रहा है जहां हुनर, संघर्ष और आत्मनिर्भरता एक साथ चमक रहे हैं। यहां लगे ये स्टाल यह संदेश भी दे रहे हैं कि दिव्यांगता रुकावट नहीं, बल्कि नई संभावनाओं की शुरुआत है।

दिव्य कला मेले में खरीदारी करते लोग • जागरण

एक नजर में

लवि में आज भी भरे जा सकेंगे परीक्षा फार्म

लखनऊ : लवि ने स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा के विषम सेमेस्टर दिसंबर - 2025 के नियमित, बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट व इनक्लेटेड परीक्षा (प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर) के फार्म भरने की तिथि एक दिन के लिए 18 नवंबर तक बढ़ा दी है। अभी तक 10 नवंबर तक समय दिया गया था, लेकिन कई छात्र-छात्राएं फार्म नहीं भर पाए थे। विश्वविद्यालय में भरे गए फार्म को विभागाध्यक्ष कार्यालय की ओर से 19 नवंबर तक परीक्षा विभाग में जमा करना होगा। (जासं)

शिक्षकों ने किया रक्तदान

लखनऊ : लवि के द्वितीय परिसर स्थित प्रशासनिक ब्लाक में एनएसएस की दोनों इकाइयों की ओर से सोमवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। इसका संचालन केजीएमयू के चिकित्सकीय अधिकारी डा. विजय प्रताप, विष्णु गुप्ता एवं उनकी टीम ने किया। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और स्टाफ ने रक्तदान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डा. चन्द शेखर राय, डा. शशि प्रभा जोशी, प्रोफेसर रमेश कुमार वर्मा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। वि.

'देश में एक राष्ट्र एक चुनाव जरूरी'

कार्यक्रम का शुभारंभ करते मंत्री दिनेश प्रताप सिंह • सौ. लवि

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्विद्यालय के एपी सेन सभागार में "एक राष्ट्र एक चुनाव" पर आधारित जनमत संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर प्रो. अनूप कुमार भारती ने की। मुख्य वक्ता अनूप गुप्ता ने एक राष्ट्र एक चुनाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए छात्रों के समक्ष कई तथ्य रखे। मुख्य अतिथि ने छात्रों को डा. अम्बेडकर के सपनों का भारत के विषय में बताते हुए एक राष्ट्र एक चुनाव के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अवध वेलफेयर सोसाइटी की युवतियों ने स्टेज प्ले करके सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वि

नृत्य और संगीत की प्रस्तुति से बांधा समां

लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुतियां

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को मालवीय सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसका शुभारंभ विशिष्ट अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय एल्युमिनाई फाउंडेशन के प्रो. अरुण चक्रवर्ती, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा ने किया। सांस्कृतिक नृत्य, संगीत, तबला, गिटार, गायन और स्किट में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति से समां बांधा।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। कौशिक जायसवाल और उनके ग्रुप ने नृत्य, दीपिका राज ने घूमर नृत्य और अनुष्का ने राजस्थानी लोक गीत की प्रस्तुति दी। श्रुति व उनके ग्रुप ने छठ गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस पारंपरिक गीत ने समारोह में भावनात्मक और सांस्कृतिक गरिमा का सुंदर माहौल बनाया, जिसे दर्शकों ने बेहद सराहा। इसके साथ ही, विनायक सिंह की टीम ने 'बेरोजगारी' विषय पर प्रस्तुत एक प्रभावशाली स्किट ने सामाजिक सरोकारों को मंच पर जीवंत किया। यह प्रस्तुति न केवल मनोरंजक रही, बल्कि दर्शकों को सोचने पर भी मजबूर कर गई। इस अवसर पर छात्र समन्वयक एवं एंकर विनायक सिंह तथा परिणति ने कार्यक्रम का संचालन किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं छात्राएं • सौ. लवि

'नारी स्वतंत्र व सुरक्षित रहे, ये संतुलन परिवार व समाज की जिम्मेदारी'

राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करतीं लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, साथ में परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा व अन्य • अशोक

जासं• लखनऊ : भारतीय संस्कृति स्त्री को सदैव ज्ञान, धैर्य और परामर्श का स्रोत मानती है। वैदिक काल में नारी को पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त थी, परंतु मध्यकाल में परिस्थितियां बदलीं। आज सुरक्षा, पारिवारिक पाबंदियों की संवेदनशीलता, और दहेज के विरुद्ध सामूहिक सुधार की आवश्यकता है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर में सोमवार को उत्तर क्षेत्रीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'समर्थ नारी : समृद्ध भारत' विषय पर विमर्श हुआ। सार यह रहा कि नारी स्वतंत्र भी रहे और सुरक्षित भी, यह संतुलन परिवार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन लखनऊ परिसर के निदेशक प्रो. सर्व नारायण झा ने कहा कि नारी को सुरक्षा देना और सुरक्षा का भाव देना दोनों ही आवश्यक है। कार्यक्रम की संयोजिका डा. कविता बिसारिया ने कहा कि नारी का सशक्त होना भारत के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। सम्मेलन में मंगलवार को भी विदुषी व विद्वतजन विमर्श करेंगे।

AAJ

एलयू के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस में सोमवार को परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि प्रो अरुण चक्रवर्ती लखनऊ विश्वविद्यालय एलुमनी फाउंडेशन, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो वीके शर्मा, अधिष्ठाता मैनेजमेंट संकाय द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने उद्घाटन संदेश में कुलपति ने विवि की गौरवशाली परंपरा, शैक्षणिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक समृद्धि पर बात देते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अपराह्न 2 से सायं 5 तक चले सांस्कृतिक आयोजनों में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य कार्यक्रमों में सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां, संगीत, तबला, गिटार, गायन एवं स्किट प्रदर्शन

दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय, द्वितीय परिसर के प्रशासनिक ब्लॉक में स्थित सुश्रुत क्लिनिक में विधि संकाय की एनएसएस की दोनों इकाइयों की ओर से सोमवार को एक दिवसीय रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर के दौरान विश्वविद्यालय के कई प्रोफेसरों ने भी सहभागिता दर्ज कराई। रक्तदान शिविर में छात्रों की उत्साही भागीदारी देखने को मिली। सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए और चिकित्सकीय टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

एलयू में अब 18 नवंबर तक भर सकेंगे परीक्षा फॉर्म

एलयू में शैक्षिक सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक, परास्नातक व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य सभी सेमेस्टर के विद्यार्थी अब 18 नवंबर तक परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

HINDUSTAN

एलयू में शिक्षकों और छात्रों ने रक्तदान किया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के प्रशासनिक ब्लॉक में स्थित सुश्रुत क्लिनिक में विधि संकाय के एनएसएस की दोनों इकाइयों की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। संकायाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चंद्र शेखर राय और डॉ. शशि प्रभा जोशी की अगुवाई में छात्रों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।